This question paper contains 4 printed pages. Roll No. ....

B.A. (Pt. II) **Hindi Lit.-I**

2102-I-A

B.A. (Part-II) Examination, 2022

(For Non-Collegiate Candidates)

(Faculty of Arts)

(Three-Year Scheme of 10+2+3 Pattern)

HINDI LITERATURE-I

प्रथम प्रश्न-पत्र

(रीतिकाल)

समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 100**

सभी (लघुत्तरात्मक तथा वर्णनात्मक) प्रश्नों के उत्तर मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही लिखिए। लघुत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के क्रमानुसार ही दीजिए। इसी प्रकार किसी भी एक वर्णनात्मक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर, उत्तर-पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर क्रमानुसार हल कीजिए।

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से लिखें।

प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न-पत्र पर रोल नम्बर अवश्य लिखिए।

1. निम्नलिखित पद्यावतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×4=40

(क) फल फूलन पूरे, तरूवर रूरे, कोकिल-कुल कलरव बोलैं।
अति मत्त मयूरी पियरस पूरी, वन वन प्रति नाचति डोलैं।।
सारी शुक पंडित, गुणगण-मंडित, भावनि मैं अरथ बखानैं।
देखे रघुनायक, सीय सहायक, मदन सरति मधु सब जानैं।।

अथवा

राधिका कान्ह को ध्यान करै, तब कान्ह ह्वै, राधिका के गुन गावै।
त्यौं अँसुवा बरसै बरसाने को, पाती लिखि लिखि राधे को ध्यावै।।

राधे ह्वै जाय घरीक में "देव" सु प्रेम की पाती लै छाती लगावै।
आपुने आपुही में उरझे सुरझे विरूझै समुझे समुझावै।।

(ख) तजि तीरथ, हरि राधिका-तन दुति कर अनुराग।
जिहिं ब्राज-केलि-निकुंज-मग पग पग होतु प्रयागु।।
भूषन-भारू सँभारि हैं, क्यौं यह तन सुकुमार।
सूधे पाइ न धर परैं, सोभा हीं कै भार।।
मरतु प्यास पिंजरा पर्‌यौ सुवा समें कैं फेर।
आदरू दै दै बोलियतु बायस बलि के बेर।।

अथवा

वेद राखे बिदित पुरान परसिद्ध राखे राम-नाम राख्यो अति रसना सुधर में।
हिंदुन की चोटी रोटी राखि है सिपाहिन की काँधे में जनेऊ राख्यो मालाराखी गर में।।
मीड़ि राखे मुगल मरोड़ि राखे पातसाह बैरी पीसि राखे बरदान राख्यो कर में।
राजन की हद्‌द राखी तेगबल सिवराज देव राखे देवल स्वधर्म राख्यों घर में।।

(ग) भोर तैं साँझ लौं कानन-ओर निहारित बावरी नैक न हारति।
साँझ, तैं भोर लौं तारिन ताकिबौ तारनि सों इकतार न टारति।।
जौं कहूँ भावतो दीठि परै घनआनन्द आँसुनि औसर गारति।
मोहन सोंहन जोहिन की लगियै रहै आँखन के उर आरति।।

अथवा

आँखियाँ भली जू ऐसे अँसुवनि धारैं, नातो,
धारा पल छूटे तिहूँ देस न समाति हैं।
औधि है जू धूम की उसाँस रूधि राखी है सु,
नेकु लेत द्यौसहू अँध्यारी होति राति है।।
'आलम' संताप स्वेद सींचिबो अधार हौ हूँ,

झूरी ह्वै के देह फिर खेह ज्यों उड़ाति है।

छाती पै सराही बरू दीया की सी भाँति ऊधौ

पाती लिखै लेखनी ज्यों बाती बरी जाति है।।

(घ) करत कलोल स्रुति दीरघ, अमोल, तोल,

छुवैं दृग-छोर, छबि पावत तरौना है।

नाहिंनै समान, उपमान और सेनापति,

छाया कछू धरत चकित मृग-छौना हैं।।

स्याम हैं बरन, ज्ञान-ध्यान के हरन, मानौ

सूरति कौ धरै बसीकरन के टोना हैं।

मोहत हैं करि सैन, चैन के परम ऐन,

प्यारी तेरे नैन मेरे मन के खिलौना हैं।।

अथवा

आयी हौ खेलन फाग इहाँ बृषभानपुरी तें सखी संग लीने।

त्यौं 'पद्माकर' गावतीं गीत रिझावतीं हाव बताइ नवीने।।

कंचन की पिचकी कर में लिये केसरिं के रंग सों अंग भीने।

छोटी-सी छाती छुटी अलकैं अति बैस की छोटी बड़ी परबीने।।

2. केशवदास के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

सिद्ध कीजिए कि बिहारी ने अपने दोहों में 'गागर में सागर' भर दिया है।

3. पठित कवित्तों के आधार पर भूषण की राष्ट्रीय भावना पर निबन्ध लिखिए। 15

अथवा

देव के काव्य में ऋतु-वर्णन के सौन्दर्य पर निबन्ध लिखिए।

4. "घनानन्द की कविता में भावों की बड़ी हृदय स्पर्शी अभिव्यक्ति हुई है", सिद्ध कीजिए। 15

अथवा

आलम के काव्य में व्यक्त प्रेमानुभूति पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

5. सेनापति के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

पद्माकर के काव्य में प्रकृति चित्रण की रम्यता पर निबन्ध लिखिए।

*****